ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-5 जून-I, 2016 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

उज्जैन में 'सत्यम शिवम सुंदरम' का उठा अनहद नाद
सभी संतों ने मिलकर एक साथ किया शंखनाद

'सत्यम शिवम सुंदरम' मेले का संतो ने किया अवलोकन ...कहा, ब्रह्माकुमारियाँ खोल रहीं मुक्ति का द्वार....

चैतन्य देवियों की झाँकी का उद्घाटन करते हुए पायलट बाबा, ब्र.कु. आशा,भिलाई, ब्र.कु. भावना,जबलपुर व अन्य।

स्वामी अलखगिरी जी महाराज राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति करने के बाद इंदौर की क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. कमला, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. पुष्पा व अन्य बहनों से वार्तालाप करते हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महामण्डलेश्वर जनार्दन हरि महाराज, क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. हेमलता, ब्र.कु. भावना तथा संतजन।

उन्होंने कहा... ईश्वर से मिलने का मार्ग यहीं...

पवित्र मन से ही होता परमात्मा से मिलन

उज्जैन। सिंहस्थ कुम्भ में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित `सत्यम शिवम सुंदरम' मेले में चैतन्य देवियों की झाँकी का उद्घाटन करने के पश्चात् अपने आशीर्वचन में **पायलट बाबा** ने कहा कि यहाँ पर मन को शुद्ध एवं पवित्र बनाने की सहज विधि बताई जाती है। निर्विकारी मन से परमात्म मिलन होता है। उन्होंने कहा कि ये संस्था सारे विश्व में अपने सेवाओं के द्वारा मनुष्य मात्र को सच्ची राह दिखाकर परमात्मा से मिलने का संदेश देती है। आध्यात्मिकता एवं राजयोग के माध्यम से ही मनुष्य मात्र को बदला जा सकता है, क्योंकि राजयोग से अपनी क्षमता और विशेषताओं का भली भांति पहचान मिल जाती है, ये इस संस्थान ने कर दिखाया है।

यहाँ हुआ नवशक्ति का संचार

पंच दशनाम जुना अखाड़ा,भरूच के महामण्डलेश्वर स्वामी अलख गिरी महाराज ने मेले का अवलोकन करने के उपरांत कहा कि मेले से मन में नवशक्ति का संचार हो रहा है। पाँच हज़ार वर्ष बाद मनुष्य जाति का उद्धार करने मैं आऊंगा, ये परमात्म उवाच है। वर्तमान समय वो चरितार्थ हो रहा है ब्रह्माकुमारियों द्वारा। ब्रह्माकुमारियों द्वारा पूरे विश्व में शांति का संदेश देना एक सराहनीय प्रयास है।

मनुष्यों को पुण्यात्मा बनाने का अनुपम प्रयास

गंगा भजन आश्रम,हरिद्वार के महामण्डलेश्वर स्वामी अनंतानंद ने कहा, जहाँ वर्तमान समय कलियुग में काम, क्रोध आदि विकार समाज में बढ़ रहे हैं, ऐसे समय में ब्रह्माकुमारी बहनें मेले के माध्यम से सभी को शांति का संदेश दे रही हैं। लोग आज

महामण्डलेश्वर स्वामी अलखगिरी महाराज व अन्य संतजनों के साथ ब्र.कु. आशा।

व्यसनों की तरफ भाग रहे हैं और ब्रह्माकुमारी संस्था उन्हें देवत्व की तरफ मोड़ने का कार्य कर रही है। मनुष्यात्मायें पाप कर्मों को छोड़कर पुण्यात्मा बन जायें, यह दुनिया सुखमय बन जाये, ऐसा इस संस्था का प्रयास है।

ईश्वर से मिलने का मार्ग यहीं

रसिक पीठाधिश्वर,अयोध्या के महामण्डलेश्वर स्वामी जन्मेजय ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ने ईश्वर को ढूंढ़ने का मार्ग प्रदर्शित किया है। इस मेले में विषयों का प्रस्तुतीकरण सराहनीय है। वर्तमान समय सारे स्कूल, कॉलेज तो खुल रहे हैं, लेकिन ये मात्र उदरपूर्ति के साधन हैं। केवल ब्रह्माकुमारी संस्थान एकमात्र विद्यालय है जहाँ ईश्वर से मिलने का मार्ग बताया जाता है। इस संस्थान के प्रयासों से समाज में देवत्व अवश्य आयेगा, यह मेरी शुभकामना है।

सात्विकता का कर रही हैं प्रचार

अंतर्राष्ट्रीय प्रज्ञा मिशन नई दिल्ली के संस्थापक एवं आह्वान अखाड़ा के महामण्डलेश्वर स्वामी प्रज्ञानंद ने कहा कि संतों का काम ईश्वर का दर्शन कराना है। संतों का जीवन सात्विक और सादगीपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा जैसा अन्न होगा वैसा हमारा मन होगा, जैसा पानी होगा वैसी वाणी होगी। इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ का प्रयास सराहनीय है जो सात्विकता का प्रचार कर बहुत अच्छा कार्य कर रही है।

गौरवमयी आध्यात्मिक शक्ति का पुनरुत्थान

फैजपुर महा. के महामण्डलेश्वर जनार्दन हरि महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति को गरिमामय स्थान प्राप्त है, मातृ शक्ति माँ भगवती का ही रूप होती है। महिलायें राजयोग का अभ्यास कर अपनी गौरवमयी आध्यात्मिक शक्तियों को जागृत कर

- शेष पेज 11 पर...

उज्जैन की नगरी, भरी संतों से सगरी

महामण्डलेश्वर स्वामी जन्मेजय महाराज को मेले का अवलोकन कराते हुए ब्र.कु. जयंती।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए महामण्डलेश्वर स्वामी प्रज्ञानंद के साथ ब्र.कु. हेमा व ब्र.कु. जयंती।

महामण्डलेश्वर स्वामी निरंजन महाराज को मेले का अवलोकन कराते हुए ब्र.कु. सरिता,धमतरी।

आचार्य चित्तप्रकाशानंद गिरी महाराज का साक्षात्कार कराते हुए ब्र.कु. मंजू,बिलासपुर।